दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 03 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 275

महत्वपूर्ण एवं खास

उड़ान भरते ही स्पाइस जेट के कैबिन से उठने लगा धुंआ, दिल्ली से जबलपुर जा रहे विमान की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्पाइसजेट का विमान एक बार फिर से बड़े हादसे का शिकार हो सकता था। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली से जबलपुर जा रहे स्पाइसजेट के विमान के कैबिन से अचानक धुंआ निकलने लगा। इससे यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया था। लेकिन क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को इस पैनिक से बाहर करने का काम किया। आज यानी शनिवार टेक ऑफ करने के बाद जब विमान 5 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचा तो पायलट के केबिन में धुआं देखा गया। इसके बाद विमान को वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। उड़ान के कुछ देर बाद ही लैंडिंग देखकर एयरपोर्ट भी थोड़ा सहम का माहौल कायम हो गया। इतना ही नहीं विमान की इमरजेंसी लैंडिंग पर शिवसेना की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने डीजीसीए की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि हॉर्स ट्रेडिंग के लिए पसंदीदा एयरलाइन होने के कारण डीजीसीए एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकता। आपको बता दें कि 19 जून को भी स्पाइस जेट के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी।

बरामद बम की जांच के आदेश के लिए कोर्ट पहुंची पुलिस, लेकिन पेशी से पहले ही हो गया विस्फोट

पटना (आरएनएस)। वैज्ञानिक जांच करने को भेजने के लिए पटना सिविल कोर्ट लाए गए विस्फोटक में विस्फोट होने से पुलिसकर्मी समेत कई लोग घायल हो गए। पटना सिविल कोर्ट परिसर स्थित जिला अभियोजन कार्यालय में हुए भयंकर विस्फोट के बाद चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट में एक पुलिस अवर निरीक्षक समेत कई लोग घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, कदमकुंआ थाना के पुलिस अवर निरीक्षक उमा शंकर राय कदम कुआं थाना कांड संख्या 324 /2022 जप्त विस्फोटकों को वैज्ञानिक जांच के लिए न्यायालय से अनुमति लेने आए थे। इस संबंध में आवेदन को अग्रसारित करवाने के लिए जिला अभियोजन कार्यालय में गए थे तभी विस्फोट हो गया। घटना के बाद घायल पुलिसकर्मी को इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया जबकि अन्य घायलों को मामूली चोटें है। मामूली रूप से घायलों में एक महिला सहायक अभियोजन पदाधिकारी शामिल है। न्यायालय में कार्य का समय होने के कारण जिला अभियोजन कार्यालय में अभियोजन पदाधिकारी नहीं के बराबर थे।

बिहार में वज्रपात से 5 की मौत, नीतीश ने की मुआवजे को घोषणा

पटना (आरएनएस)। बिहार के अधिकांश क्षेत्रों में हो रही बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन नालंदा जिले के थे, जबकि बांका और मधुबनी में एक - एक लोगों की मौत हुई है। इस घटना को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संवेदना जताई है। सरकार ने मृतकों के परिजन के लिए चार-चार लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि राज्य के 3 जिलों में वज्रपात से 5 लोगों की मृत्यु दुःखद है। प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है। सभी मृतकों के परिजन को तत्काल 4-4 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा।

गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश, आणंद जिले में 380 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया; एनडीआरएफ तैनात

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश से जनजीवन ठप हो गया और सूरत, बनासकांठा तथा आणंद जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। सूरत के पलसाणा तालुक में शनिवार सुबह तक 209 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि बोरसड तालुका के कुछ गांवों में गुरुवार को भारी बारिश के कारण बाढ़ आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा तैनात राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल ने आणंद जिले में बारिश से प्रभावित गांवों में 380 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

शनिवार को सुबह छह बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों और उत्तरी गुजरात के बनासकांठा में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए।

सरकार के राज्य आपात ऑपरेशन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, बारिश से सूरत शहर भी प्रभावित हुआ है। जिले के पलसाणा तालुका में सबसे अधिक 209 मिमी. बारिश दर्ज की गई। सूरत जिले के अन्य तालुकों बरडोली (125 मिमी.), उल्पड (118 मिमी.) और चोरयासी 117 मिमी. बारिश दर्ज की गई।

एसईओसी के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण गुजरात के नवसारी, तापी और वलसाड जिलों के अलावा उत्तर गुजरात के बनासकांठा में भी भारी बारिश हुई, खासतौर से देवदर (190 मिमी.), दीसा (120 मिमी.) और अमीरगढ़ (120 मिमी.) में बारिश हुई। दीसा शहर के निचले इलाकों में कई दुकानें जलमग्न हो गईं। सडक़ों और अंडरपास में जलभराव हो गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। सूरत शहर के निचले इलाकों में यही हाल है। आणंद जिला प्रशासन के आपदा प्रबंधन अधिकारी ने कहा कि बोरसड तालुका में दो गांवों के कुल 380

लोगों को निचले इलाकों में बाढ़ आने के कारण सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। इलाके में बारिश रुक गई है और जलस्तर कम हुआ है, लेकिन करीब 140 लोग अब भी घर नहीं लौट पाए हैं।

एनडीआरएफ का दल जिले के सिस्वा गांव में भारी बारिश में बह गए एक व्यक्ति की तलाश कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

एसईओसी ने कहा कि गुजरात में कुल 251 तालुकों में से करीब 176 में बारिश हुई और उनमें से 39 तालुकों में शनिवार सुबह तक 24 घंटों के दौरान 50 मिमी. बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में गुजरात के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। साथ ही दक्षिण तथा मध्य गुजरात के कुछ जिलों तथा सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है।

मणिपुर में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हुई, 40 से अधिक लापता

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर के नोनी जिले में लगातार बारिश के कारण गुरुवार को हुए विनाशकारी भूस्खलन में शनिवार को और शव मिलने के साथ ही 22 प्रादेशिक सेना के जवानों सहित 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। आधिकारिक रिपोर्टों में कहा गया है कि पश्चिमी मणिपुर के टुपुल में निर्माणाधीन रेलवे बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद 80 से अधिक लोगों के जिंदा दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा कि 13 घायल प्रादेशिक सेना के जवानों और पांच नागरिकों को निकाला गया है, यहां तक कि सेना द्वारा बचाव अभियान भी चलाया गया है और पिछले तीन दिनों से केंद्र और राज्य की एजेंसियां पूरी गति से चल रही हैं। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि एक जेसीओ सहित 14 प्रादेशिक सेना के जवानों के पार्थिव शरीर को भारतीय वायु सेना के विमान और एक भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर द्वारा उनके संबंधित गृह स्टेशनों पर भेजा गया, जबकि एक शव को माल्यार्पण के बाद सडक़ मार्ग से मणिपुर के कांगपोकपी भेजा गया। इम्फाल में समारोह समारोह में सेना के रेड शील्ड डिवीजन कमांडर और असम राइफल्स, दक्षिण के महानिरीक्षक ने भाग लिया। टुपुल में सेना, असम राइफल्स, प्रादेशिक सेना, राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल द्वारा 12 लापता प्रादेशिक सेना कर्मियों और 26 नागरिकों की तलाश जारी है और इजेई नदी से शवों को निकालने के लिए कई उत्खनन का उपयोग किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के पांच हाइब्रिड आतंकी गिरफ्तार, बड़े हमले की साजिश नाकाम

श्रीनगर (आरएनएस)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने श्रीनगर एवं बारामूला जिलों से दो अलग अलग अभियानों में लश्कर ए तैयबा के पांच हाईब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने पंपोर निवासी नवीद शफी वानी और फैजान राशिद तेली को श्रीनगर से गिरफ्तार किया। जिले में आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर श्रीनगर पुलिस ने विशेष नाकेबंदी की थी।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आतंकवादी सहयोगी आतंकवादियों को हथियारों , विस्फोटक सामग्री के परिवहन और अन्य सहायता प्रदान करने में शामिल थे। उन्होंने बताया कि एक अलग अभियान में गुरुवार को बारामूला जिले के सोपोर इलाके से तीन हाईब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने

आज शाम तक्यबल क्रैंकशिवन में आतंकवादियों की। आवाजाही के संबंध में विशेष सूचना पर एक संयुक्त नाका स्थापित किया था। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान तीन संदिग्ध लोगों ने नाका पार्टी को देखकर भागने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो पिस्तौल, दो मैगजीन, 10 पिस्टल राउंड, एक हथगोला और एक एके 47 राइफल बरामद की गई। पकड़े गये तीनों आतंकवादियों की पहचान सोपोर निवासी रशीद मुश्ताक गनी, आमिर शफकत मीर और ताहिर निसार शेख के रूप में हुई है।

उदयपुर हत्याकांड के हत्यारों पर टूटी भीड़, जयपुर में एनआईए कोर्ट के बाहर की जमकर पिटाई

जयपुर (आरएनएस)। उदयपुर में नूपुर शर्मा के समर्थन में टेलर कन्हैया लाल की हत्या करने के आरोपियों को जयपुर में भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। उदयपुर में हुई निर्मम हत्या के बाद पूरे राज्य में गुस्से का माहौल है। लोगों की मांग है कि इन आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए। ऐसे में जब हत्याकांड के चारों आरोपियों को शनिवार को जयपुर की एनआईए कोर्ट में पेश किया गया, तब वहां मौजूद लोगों की भीड़ के सब्र का बांध टूट गया और भीड़ ने हत्यारों की जमकर पिटाई कर दी।

दरअसल, कन्हैया के हत्यारों को जयपुर में एनआईए कोर्ट में पेश

किया गया था, जहां से कोर्ट ने चारों आरोपियों को 10 दिन के रिमांड पर एनआईए भेज दिया। ऐसे में जब पुलिस आरोपियों को लेकर बाहर निकली तो कोर्ट परिसर के बाहर मौजूद लोगों की भीड़ ने पुलिस की सुरक्षा के बीच आरोपियों पर हमला कर दिया। आरोपियों पर लोगों ने थप्पड़ों की बरसात कर दी और उनकी जमकर पिटाई की। अचानक भीड़ देखकर एक बार माहौल काफी तनाव भरा हो गया। हालांकि फिर तुरंत आरोपियों को पुलिस की गाड़ी में बैठा दिया।

लोगों के हमले का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे लोगों की भीड़ हत्यारों की पिटाई कर रही है। लोगों के गुस्से के आगे इस बीच पुलिस के लिए भी बचाना मुश्किल हो गया। कोर्ट ने चारों आरोपियों को 12 जुलाई तक एनआईए कस्टडी में भेज दिया है। एनआईए ने हत्याकांड के आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया है। वारदात के मुख्य दोनों आरोपियों को अजमेर हाई-सिक्योरिटी जेल से जयपुर लाया गया और एनआईए कोर्ट में पेश किया गया था।

आपको बता दें कि 28 जून की शाम को उदयपुर में नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने पर दुकान में घुसकर टेलर कन्हैया लाल की गला रेतकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने दो हत्यारों को राजसमंद के भीम से गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने गला काटने और अपना गुनाह कबूल करने के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए थे।

शिवसेना को सुप्रीम कोर्ट से फौरन राहत नहीं, 16 विधायकों के मामले पर अब 11 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उन 15 बागी विधायकों को विधानसभा से निलंबित किए जाने का अनुरोध करने वाली शिवसेना के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु की याचिका पर अब 11 जुलाई को सुनवाई करेगा, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बागी विधायकों के निलंबन संबंधित शिवसेना की याचिका पर सुनवाई के लिए अपनी रजामंदी देते हुए शुक्रवार को कहा कि अदालत ने अपनी आंखें बंद नहीं की हैं और वह इस मामले की जांच करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना के 16 विधायकों को निलंबित करने और विधानसभा में प्रवेश नहीं करने देने

का निर्देश दिए जाने संबंधी शिवसेना के मुख्य सचेतक सुनील प्रभु की याचिका पर सुनवाई करने की मंजूरी दे दी है। सुनील प्रभु के वकील कपिल सिब्बल ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जे बी पारदीवाला की अवकाश पीठ के समक्ष याचिका पेश की थी।

सिब्बल ने कहा कि शिंदे गुट ने भारतीय जनता पार्टी में विलय नहीं किया है और जैसे ही शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली वैसे ही उन्होंने संविधान के 10वें अनुच्छेद का उल्लंघन किया। सिब्बल ने कहा कि वह पार्टी नहीं हैं बल्कि यह लोकतंत्र का नाच है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अदालत ने अपनी आंखें बंद नहीं की हैं और अदालत इस मामले की जांच करेगी।

सुप्रीम कोर्ट 11 जुलाई को इस मामले में सुनवाई करेगा। इसके अलावा 11 जुलाई को ही शिंदे गुट की याचिका पर भी सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ याचिका दायर की है। सिब्बल ने कहा कि किसने सचेतक को माना जाएगा। दोनों पक्ष अपना सचेतक नियुक्त करेंगे। असली शिवसेना कौन है, इसका निर्णय चुनाव आयोग करेगा। अगर ऐसा है तो विश्वास प्रस्ताव के दौरान वोटों की गिनती कैसे होगी। खंडपीठ ने कहा कि वह देखेगी कि क्या प्रक्रिया है और क्या यह गलत है। इसकी जांच होगी।

महाराष्ट्र : 3 जुलाई को होगा स्पीकर का चुनाव, 4 जुलाई को बहुमत साबित करेंगे एकनाथ शिंदे- एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद भी महाराष्ट्र का सियासी संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। राज्य का विधानसभा सत्र 1 दिन के लिए टल गया। अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 4 जुलाई को सदन में बहुमत साबित करेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र अब 3 और 4 जुलाई को बुलाया गया है। 3 जुलाई को स्पीकर चुनाव होगा जबकि 4 जुलाई को सीएम शिंदे विधानसभा में बहुमत साबित करेंगे।

11,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने किए अमरनाथ के दर्शन, 6113 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

जम्मू (आरएनएस)। अमरनाथ यात्रा के लिए शनिवार को भगवती नगर आधार शिविर से 6,113 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना हुआ। इस साल अब तक 11,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की। इसकी जानकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया, गुरुवार को तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 11,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा के अंदर दर्शन किए हैं, जबकि 23,214 अन्य लोग घाटी की ओर बढ़ चुके हैं।

शनिवार का जत्था दो अनुरक्षित काफिले में बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों की ओर बढ़ा।

अधिकारियों ने कहा, इनमें से 1,940 बालटाल जा रहे हैं जबकि 4,173 पहलगाम जा रहे हैं।

इस साल गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा तीन साल के अंतराल के बाद हुई है।

2019 में यात्रा धारा 370 को निरस्त करने से पहले कम कर दी गई थी, जबकि 2020 और 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण निलंबित कर दिया गया था।

तीर्थयात्रा का समापन 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर श्रावण पूर्णिमा को होगा।

अमरावती हत्याकांड की जांच करेगी एनआईए, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिए निर्देश

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के अमरावती में दुकानदार की हत्या की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इस मामले में निर्देश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि अमरावती के दुकानदार उमेश कोल्हे की 21 जून को हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि उमेश की हत्या नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने के विरोध में की गई है। मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

केमिस्ट की चलाते थे दुकान- पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 54 साल के उमेश

प्रहलादराव कोल्हे केमिस्ट की दुकान चलाते थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा के समर्थन में कुछ पोस्ट किया था। दावा है कि इसको लेकर ही 21 जून को उनकी हत्या कर दी गई। मामले में महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था। इन सभी लोगों से पूछताछ चल रही है। वहीं एटीएस की टीम घटना के आतंकी पहलू को लेकर भी जांच में जुटी है। एटीएस अमरावती की घटना के उदयपुर कनेक्शन के तार तलाश रही है।

उदयपुर मामले की भी जांच कर रही है एनआईए- गौरतलब है कि उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्यारे कन्हैयालाल द्वारा नूपुर शर्मा का समर्थन किए जाने से नाराज थे। वह कपड़े की नाप देने के बहाने टेलर कन्हैयालाल की दुकान पर गए थे और धोखे से उसका गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने न सिर्फ घटना का वीडियो बनाया, बल्कि अपने कुबूलनामे का भी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस मामले में भी एनआईए जांच कर रही है।

केदारनाथ धाम के गर्भगृह में प्रवेश खुला, तीर्थयात्री कर सकते हैं दर्शन

देहरादून (आरएनएस)। तीर्थयात्री अब केदारनाथ धाम के गर्भगृह में प्रवेश कर दर्शन कर सकेंगे। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध हटा दिया है। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के दिन तीर्थयात्रियों की भीड़ उमडऩे से गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। श्रद्धालु सभा मंडप से बाबा केदार के दर्शन कर रहे थे। केदारनाथ धाम के कपाट छह मई को खुले थे। पहले दिन ही 20 हजार से अधिक तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे थे। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को भारी अव्यवस्थाओं को सामना करना पड़ा। भीड़ को नियंत्रित करने और दर्शन में लगने वाले समय को देखते हुए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया था। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य होने से शुक्रवार से केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों के लिए मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध समाप्त कर दिया गया है। अब श्रद्धालु गर्भगृह में जाकर बाबा केदार के दर्शन कर रहे हैं।

बदरीनाथ-केदारनाथ

मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि इस वर्ष मई व जून माह में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। श्रद्धालु सभा मंडप से ही बाबा केदार के दर्शन कर रहे थे। अब संख्या कम होने के बाद श्रद्धालु मंदिर के गर्भगृह में जाकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसके अलावा श्रद्धालुओं की संख्या में कमी को देखते हुए मंदिर में दर्शनों के समय में भी परिवर्तन किया गया है। शुक्रवार से केदारनाथ मंदिर में सुबह चार बजे के स्थान पर पांच बजे से धर्म दर्शन शुरू हो रहे हैं। अपराह्न तीन बजे से 4:45 बजे तक भोग-पूजा व सफाई के लिए कपाट बंद किए जा रहे हैं। शाम को श्रृंगार पूजा के बाद रात्रि नौ बजे दोबारा कपाट बंद किए जाएंगे।

इसी तरह बदरीनाथ धाम में मंदिर में भगवान बदरी विशाल की अभिषेक पूजा सुबह पांच बजे से संपन्न हो रही है। इस दौरान भी तीर्थयात्री धर्म दर्शन कर रहे हैं। शाम को विभिन्न पूजाओं के बाद रात्रि नौ बजे तक कपाट बंद हो रहे हैं।

बीकेटीसी के अध्यक्ष ने बताया कि मंदिर समिति तीर्थयात्रियों को मंदिरों में सरल-सुगम दर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। मंदिर समिति के अनुसार कपाट खुलने से अब तक केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में 17.32 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इसमें बदरीनाथ धाम में 901081 और केदारनाथ धाम 831600 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।